नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिए, बिबिए र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी–४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१–५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक ३४० वि.सं. २०८२ असार १६ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४८) [Monday 30 June 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

कैलारीमे एसइई परीक्षा नतिजा

कैलारीमे सामुदायिक विद्यालय १० प्रतिशत, संस्थागत विद्यालयके ४५ प्रतिशत नतिजा, एक विद्यालयके नतिजा शुन्य

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १५ असार । कैलाली जिल्लाके कैलारी गाउँपालिका भिटर रहल सामुदायिक विद्यालयमे कुल सहभागी मन्से १० प्रतिशत ओ संस्थागत विद्यालयके नतिजा ४५ प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइल बटै ।

कैलारी गाउँपालिका शिक्षा शाखासे डेहल तथ्यांक अनुसार गैल शुकके रोज प्रकाशित हुइल शैक्षिक २०८१ के माध्यमिक शिक्षा परीक्षा एसइईके नतिजामे सामुदायिक विद्यालयमे कुल सहभागी मन्से १० प्रतिशत ओ संस्थागत विद्यालयके नतिजा ४५ प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइल बटै । शैक्षिक शत्र २०८१ के माध्यमिक शिक्षा परीक्षा एसइईमे सामुदायिक विद्यालयसे कुल ४०३ जाने सहभागी हुइलमे ४१ जाने १० प्रतिशत केल्ह उत्तीर्ण हुइल बटै ।

ओस्टेक करके शैक्षिक शत्र २०८१ के माध्यमिक शिक्षा परीक्षा एसइईमे संस्थागत विद्यालयसे ६७ जाने सहभागी हुइलमे ३० जाने ४५ प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइल बटै ।

कैलारीके ९ ठो सामुदायिक विद्यालय शैक्षिक शत्र २०८१ के माध्यमिक शिक्षा परीक्षा एसइईमे सहभागी मन्से १ ठो विद्यालयके नतिजा शुन्य आइल बा । नतिजा शुन्य हुइल विद्यालय कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ७ स्थित राष्ट्रिय मावि भुइयाफाँटा रहल बा । उ विद्यालयके नतिजा गैल गैल बर्षफे शुन्य डेखल रहे । यहाँ २४ जाने मन्से कोईफे उत्तीर्ण हुइ नैसेकल हो ।

सामुदायिक विद्यालय मन्से दिपेन्द्र मावि हसुलियामे ५२ मन्से १६ जाने ३१ प्रतिश उत्तीर्ण, राष्ट्रिय मावि विचैपुरमे ८१ मन्से ८ जाने १० प्रतिशत, जनकल्याण मावि पवेरामे ५६ मन्से १ जाने २ प्रतिशत उत्तीर्ण, जनकल्याण मावि के गाउँमे ३४ मन्से १ जाने ३ प्रतिशत उत्तीर्ण, सरस्वती मावि खरुवाखेरामे ३८ मन्से २ जाने ५ प्रतिशत उत्तीर्ण, जानकी मावि वनकट्टा २५ मन्से ३ जाने १२ प्रतिशत उत्तीर्ण, लक्ष्मी मावि पुथ्वीपुरमे ४३ जाने मन्से ४जाने ९ प्रतिशत, जनता मावि गदरियामे ५० मन्से ६ जाने १२ प्रतिशत उत्तीर्ण हुइल बटै ।

ओस्टेक कैलारीसे शैक्षिक शत्र २०८१ के माध्यमिक शिक्षा परीक्षा एसइईमे सस्थागत विद्यालय मन्से सहभागी ४ विद्यालय सहभागी हुइल रहे ।

बोण्ड इंगलिस बोर्डिङ स्कूलसे १३ जाने विद्यार्थी परिक्षामे सहभागी हुइलमे १० जाने ७७ प्रतिश उत्तीर्ण हुइल बटै । ब्राइटस्टर इगलिस बोडिङमे २७ जाने मन्से ७ जाने २६ प्रतिशत उत्तीर्ण, कालिका इंगलिस बोडिङसे ९ जाने मन्से ७ जाने ७८ प्रतिशत उत्तीर्ण हुइल बटै । कलेसे नागेश पशुपति शिक्षा मन्दिरमे १८ मन्से ६ जाने ३३ प्रतिशत उत्तीर्ण हुइल बटै ।

२२औँ राष्ट्रिय धान दिवस

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १५ असार । २२औँ राष्ट्रिय धान दिवस तथा दहि चिउरा खैना विविध कार्यक्रमके मनागिल बा ।

असार १५ हे नेपाली समाजमे दही चिउरा खैना पर्वके रूपमे लेना करजाइठ । खेतीपातीबाहेक अन्य पेसा ओ व्यवसायमे लागल नेपालीसेफे दही चिउरा खाके असार १५ मनैठै ।

विसं २०६१ अगहन २९ गते मन्त्रीस्तरीय निर्णय करके २०६२ साल असार १५ गतेसे राष्ट्रिय धान दिवस मनाई लागल हो । कृषिप्रधान देश हुइल ओरसे नेपालके अधिकांश मनै पेसा खेतीपाती हो । किसान वर्षभरके लाग छाक जुटैना यी महिना खेतीमे व्यस्त हुइठै ।

कामके चटारोसे थकित हुइल किसान शक्ति प्राप्तीके लाग दही चिउरा खैठै । दही चिउरासे शरीरमे शीतलता हुके शक्ति सञ्चय हुइना विश्वास करजाइठ ।

गोदावरीके बास्कोटामे २२औँ राष्ट्रिय धान दिवस

नेपाली कांग्रेस कैलाली क्षेत्र नं. ४ के आयोजनामे गोदावरी नगरपालिका–४ बास्कोटामे २२औँ राष्ट्रिय धान दिवस तथा रोपाइँ महोत्सव भव्य रूपमे सम्पन्न हुइल बा । "धानबालीमे सघनता: खाद्य सुरक्षा ओ आत्मनिर्भरता" कना नारासहित कार्यक्रम सोम्बार सकारे ८ बजे वडाध्यक्ष हेम प्रकाश मल्लके खेतुवामे आयोजित करल हो ।

कार्यक्रममे गोदावरी नगरपालिकाके नगरप्रमुख वीरेन्द्र भट्ट, प्रदेश सभा सदस्य तुलसी देवकोटा, नेपाली कांग्रेस कैलाली क्षेत्र नं. ४ के सभापति बसन्त रोकाया ललित, चुरे, गौरीगंगा ओ गोदावरी क्षेत्रके पार्टीके नेताहुक्रे, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा कार्यकर्ताहुकनके उल्लेखनीय उपस्थिति रहल रहे । सहभागीहुक्रे खेतमे उटरके परम्परागत शैलीमे धान लगैटी असार १५ हे सांस्कृतिक पर्वके रूपमे उत्सवमय वातावरणमे मनाइल रहिट ।

कार्यक्रममे बोल्टी नगरप्रमुख भट्टसे कृषिहे व्यावसायिक ओ प्रविधिमैत्री बनैटी स्थानीय उत्पादनमे आत्मनिर्भरता हासिल कैना लक्ष्य रहल बटैलै । उहाँ कृषिमे नागरिकके सहभागिता बढ्हैना (बाँकी २ पेजमे)

धनगढीक सामुदायिक विद्यालयके एसइई नतिजा सुधार

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १५ असार । कैलालीके धनगढी उपमहानगरपालिका अन्तर्गतके सामुदायिक विद्यालयके एसइई नतिजामे सुधार हुइल बा । शैक्षिक सत्र २०८० के तुलनामे शैक्षिक सत्र २०८१ के एसइईके नतिजामे सुधार हुइल हो ।

गैल वर्ष सामुदायिक विद्यालयओर २६ दशमलव ९७ प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइलमे यी वर्ष उत्तीर्ण प्रतिशत ५४ दशमलव ७४ प्रतिशत पुगल बा । यी बार गैल वर्षके तुलनामे १०२ दशमलव ९६ प्रतिशत ढेर हो । शैक्षिक सत्र २०७९ मे आधारभूत तह कक्षा ८ के परीक्षा डेहल विद्यार्थीसे यी बार एसइई डेहल हुइट ।

धनगढी उपमहानगरपालिकासे कक्षा ८ मे परीक्षामे कडाइ करेबेर तथा उहीसे विद्यालयसे करल मेहनतसे नतिजामे सुधार हुइल प्रशासकीय प्रमुख नरेन्द्रबहादुर खाती बटैलै । उहाँ कहलै, "२०७९ ममे आधारभूत तह डेके उत्तीर्ण हुइल विद्यार्थीहुक्रे यी बार एसइई डेहल हुइट । उ बेला कक्षा ८ उत्तीर्ण हुइलहुक्रे लगभग सक्कु पास हुइल विल्गाइठ कलेसे कक्षा ९ मे कक्षा दोहऱ्याई पुगल विद्यार्थी अब्बेफे असफल हुइल विल्गाइठ," उहाँ कहलै, "यी बार सामुदायिक विद्यालयओर नतिजामे व्यापक सुधार हुइल बा ।"

धनगढीके २६ सामुदायिक विद्यालयके ९५९ से डेहल रहिट परीक्षा

धनगढी उपमहानगरपालिकामे २६ ठो सामुदायिक विद्यालयसे ९५९ जाने विद्यार्थी यी बार एसइईमे सहभागी रहिट । परीक्षामे ५२८ जाने कक्षा ११ के लाग ग्रेडेड हुइल बटै कलेसे ४३१ जाने एनजी ग्रेड आइल बा ।

धनगढी-३ के त्रिभुवन माविके छात्र अशोक ल्यन्लै 4.0 जिपिए

कैलाली जिल्लामे यी बार एसइईमे सात जाने विद्यार्थी ४.० जिपिए ल्यानल बटै । जेम्ने मन्से सामुदायिक विद्यालयओर एक जाने विद्यार्थीके केल ४.० जिपिए आइल बा ।

त्रिभुवन माध्यमिक विद्यालय बोराडाँडीके छात्र अशोक अवस्थी सामुदायिक विद्यालयओर ४.० जिपिए ल्यानल बटै । त्रिभुवन माध्यमिक विद्यालयसे ७६ जाने परीक्षामे सामेल हुइलमे ६० जाने ग्रेडेड हुइल बटै । कुल परीक्षार्थीके ७८ दशमलव ९५ प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइल विद्यालयके प्रधानाध्यापक सिताराम अवस्थी बटैलै । उहाँ शिक्षक, विद्यार्थी ओ अभिभावकके मेहनतसे नतिजा मजा आइल बटैलै । "हमार विद्यालयके नतिजा मजा आइल बा । हम्रे निजी विद्यालयसंग प्रतिस्पर्धा करटी रहल अवस्था हो," उहाँ कहलै, "अभिभावकके विश्वास तथा शिक्षक विद्यार्थीके मेहनतसे मजा नतिजा आइल बा । अइना वर्षमे अभिन नतिजामे व्यापक सुधार कैना हिसाबसे हम्रे मेहनत कैना तयार बटी ।"

धनगढी-१४ के सर्वोदयके शतप्रतिशत नतिजा

धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर १४ फूलबारीके सर्वोदय माध्यमिक विद्यालयके सक्कु विद्यार्थी २०८१ के एसइईमे पास हुइल बटै । १५ जाने विद्यार्थी परीक्षामे सहभागी हुइलमे सक्कु उत्तीर्ण हुइल बटै । शिक्षक, विद्यार्थी ओ अभिभावकके मेहनतसे सक्कु विद्यार्थी पास हुइल विद्यालयके प्राधानाध्यपक जितबहादुर चौधरी बटैलै । (बाँकी ३ पेजमे)

सूची दर्ता सम्बन्धी सूचना

प्रथम पटक प्रकाशित मितिः २०८२/०३/१६

परिवर्तनका लागि कार्यरत युवा समूह नेपाल (याक नेपाल) ले संचालन गर्ने कार्यक्रम/परियोजनाहरूका लागि आवश्यक पर्ने वस्तु तथा सेवाहरू आ.व. २०८२/२०८३ को लागि आवश्यकता अनुसार माग गरिएका बखत उपलब्ध गराउने गरी संस्थामा सूचीकृत हुन चाहने नेपाल सरकारको इजाजत प्राप्त उद्योग फर्म, कम्पनी, अधिकृत बिक्रेता वा वितरक तथा सेवा प्रदायकले आफ्नो हालसम्म आध्यावधिक गरिएका इजाजतपत्र, दर्ता प्रमाणपत्र, प्यान वा भ्याट दर्ता प्रमाणपत्र र कर चुक्ता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपिसहित आफूले दिन सक्ने सेवा र सामग्रीहरूको विवरण उल्लेख गरी मिति २०८२/०३/३२ गतेभित्र कार्यालय समयमा सूची दर्ता गराउन हुन यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ ।

तपसिल

क्र.सं.	वस्तु तथा सेवाको विवरण	क्र.सं.	वस्तु तथा सेवाको विवरण
१.	सूचना प्रकासन र प्रशारण (विज्ञापन), पत्रपत्रिका	२.	कम्प्युटर, प्रिन्टर, सफटवयर
३.	मोटर साइकल मर्मत तथा स्पेयर पार्टस	४.	आवास तथा तालीम हल सहितको सेवा
५.	इलेक्ट्रिक तथा इलेक्ट्रोनिकस् समान	६.	छपाइ सम्बन्धी सेवा
७.	स्टेसनरी तथा मसलन्द सामान	८.	हवाइ तथा बस टिकट एवं अन्य यातायात/सवारी सेवा तथा ढुवानी सेवा
९.	स्वास्थ्य सम्बन्धि सेवा औषधी, सर्जिकल तथा स्वच्छता सामग्रीहरू	१०.	पशुपंछी, औषधी, विउ विजन, मल, बिषादी, कृषि औजार तथा आपुर्ति
११.	खाद्य तथा गैर खाद्य सामग्रीहरू आपुर्ति सेवा	१२.	खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धि सेवा र सामग्रीहरू
१३.	कुरीयर तथा ईन्टरनेट सेवा	१४.	बिबिध समान तथा मर्मत सेवा जस्तैः धारा, पानी, बिजुली, प्लम्बिङका सामग्री
१५.	परामर्श सेवा	१६.	फर्निचर तथा फर्निसिंगका सामग्रीहरू आपूर्ति तथा जडान सम्बन्धि सेवा
१७.	विपत जोखिम न्युनीकरण तथा आकस्मिक प्रतिकार्यको आवश्यक पर्ने सामग्री जस्तैः दाल, चामल, तेल, चिनि, नुन, टेन्ट, कम्मल, स्वच्छता सामाग्री र मेटरेस आदी ।	१८.	वार्षिक लेखापरिक्षण

सूची दर्ता गर्नु पर्ने ठेगानाः

परिवर्तनका लागि कार्यरत युवा समूह नेपाल (याक नेपाल)

धनगढी उपमहानगरपालिका–१, शिवनगर कैलाली, अथवा info@yacnepal.org.np मार्फत सूची दर्ता गर्न सकिने छ । सम्पर्क फोन नं. ०९१–५२१६८७

बाढी र पहिरोबाट जोगिऔं

बाढी र पहिरोबाट हुने जोखिमबाट सतर्क बनौः

- सञ्चार माध्यमबाट मौसमको जानकारी प्राप्त गर्ने गरौं,
- बाढी वा पहिरोको उच्च जोखिम भएको क्षेत्रमा होसियारी अपनाऔं,
- आपतकालीन झोला (औषधि, टर्चलाइट, खानेकुरा र लुगाफाटा) तयार राखौं,
- बालबालिका, वृद्धवृद्धा र अपांगता भएका व्यक्तिहरूलाई विशेष ध्यान दिऔं,
- बाढी पहिरो आएमा सुरक्षित स्थानतर्फ जाऔं,
- विजुलीका लाइन वा पोलबाट टाढा बसौं,
- बाढीको समयमा खोलानाला पार गर्दा सतर्कता अपनाऔं,
- अफवाह नफैलाऔं, सत्य सूचना मात्र आदान–प्रदान गरौं,
- घाइते वा जोखिममा परेका व्यक्तिको उद्धारमा सहयोग गरौं ।

टीकापुर नगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय
टीकापुर, कैलाली

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

आत्मनिर्भरताके मूल डगर

हरेक वर्ष असार १५ मे राष्ट्रिय धान दिवस मनैना करजाइठ । यी वर्ष फेन २२ औँ राष्ट्रिय धान दिवस नेपालके कृषि क्षेत्रमे धान बालीके महत्वहे उजागर करटि 'धान बालीमे सघनता, खाद्य सुरक्षा ओ आत्मनिर्भरता' कना नाराके साथ मनाइल बा । नेपालके खाद्य सुरक्षामे धान बालीके भूमिका ओ आत्मनिर्भरता हासिल करना दिशामे करेपरना कामहे केन्द्रमे ढैके दिवस मनाइल बा । धान नेपालके मुख्य खाद्य बाली हो । हालके तथ्यांक अनुसार नेपालमे करिब १५ लाख हेक्टर क्षेत्रमे धान उत्पादन करजाइठ । कुल उत्पादन करीब ५७ लाख मेट्रिक टन बा । राष्ट्रिय औसत उत्पादकत्व अभिन फेन चार मेट्रिक टन प्रति हेक्टरसे कम बा, जोन अभिन फेन एसियाली देशके तुलनामे कम बा । अभिन १६ औँ पञ्चवर्षीय योजना (२०८१/८२-२०८५/८६) २०८५/८६ सम धानके राष्ट्रिय उत्पाकत्व ४.८४ मेट्रिक टनप्रति हेक्टर पुगैना लक्ष्य रहल बा । जोन अप्नेमे चुनौतीपूर्ण बा । यी बालीसे कृषि गार्हस्थ्य उत्पादनमे २० प्रतिशत ओ समग्र राष्ट्रिय उत्पादनमे सात प्रतिशत योगदान पुगाइठ । धान नेपालके आर्थिक ओ सांस्कृतिक जीवनमे गहिर जर गारके बैठल बा । कुल जनसंख्याके ७५ प्रतिशतसे ढेर मनै वर्षके कम्तीमे छ महिना धान खेतीमे संलग्न रठैं । यिहिनसे ग्रामीण रोजगारीमे महत्वपूर्ण भूमिका खेलठ । धान बालीके मूल्य शृंखलामे बिउ उत्पादनसे प्रशोधन, भण्डारण ओ बजारीकरणसमके क्षेत्रमे लाखौं मनैन्के रोजगारी पैना सम्भावना बा ।

धान नेपालके भौगोलिक विविधताके कारण तराईसे उच्च पहाडी क्षेत्रसम फरक फरक मेरिक उत्पादन करजाइठ । विश्वमे सबसे ढेंग स्थानमे धान खेती हुइना फेन नेपालमे बा । तराई क्षेत्रमे समुद्री सतहसे नौ सय मिटरसमके उचाइमे कुल धान उत्पादन क्षेत्रके ७० प्रतिशत, भित्री तराईमे पाँच प्रतिशत, मध्यपहाडमे २३ प्रतिशत ओ उच्च पहाडमे दुई प्रतिशत धान उत्पादन हुइठ । नेपालमे धान उत्पादनके तीन मुख्य मौसम बा । चैते धान (फेब्रुअरी-मार्चसे जुन-जुलाईसम), मुख्य मौसमी धान (जुन-जुलाईसे अक्टोबर-नोभेम्बरसम) ओ घैया धान (वर्षामे निर्भर पहाडी क्षेत्रमे) । चैते धान मुख्यतया सिँचाइ सुविधा हुइल तराई ओ भित्री तराईके क्षेत्रमे उत्पादन करजाइठ । मुख्य मौसमी धान सबसे ढेर उत्पादन हुइना धान हो, जोन मुख्य कैके वर्षाके पानीमे निर्भर रहठ । नेपालके सात प्रदेशमे धान उत्पादन करजाइठ मने उत्पादन मात्रा ओ उत्पादकत्वमे भिन्नता बा । सबसे ढेर धान खेती करना मधेश प्रदेश (३८४००० हेक्टर) आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के बजेटमे कृषि क्षेत्रहे आमूल परिवर्तन करना लक्ष्य रहल बा । ...मधेशमे दुई बाली धान, समृद्धिके नयाँ बिहान□ जस्टे नारासे खास कैके धान उत्पादनहे प्राथमिकता डेहल बा ।

नेपालमे खाद्य सुरक्षाके दृष्टिकोणसे धान बालीके भूमिका महत्वपूर्ण बा । नेपालीके दैनिक क्यालोरी आवश्यकताके ६९ प्रतिशत धान बालीसे आइठ । प्रतिव्यक्ति वार्षिक चामल उपभोग १३८ किलोग्राम बा जोन विश्वके उच्चमध्ये एक हो । कुल अन्न उपभोगमे चामलके हिस्सा ५२ प्रतिशत बा । टबेमारे धान उत्पादनमे आइल कौनो फेन समस्यासे राष्ट्रिय खाद्य सुरक्षामे प्रत्यक्ष प्रभाव पारठ । हाल नेपालमे धान उत्पादन ओ मागमे क्षेत्रीय असन्तुलन बा । तराई क्षेत्रमे ढेर उत्पादन हुइठ कलेसे पहाडी क्षेत्रमे कमी बा । जलवायु परिवर्तनके प्रभावसे धान उत्पादनमे नकारात्मक असर परल बा । अनियमित वर्षा, बह्रल तापक्रम ओ प्राकृतिक प्रकोपसे धान उत्पादनमे चुनौती सिर्जना करले बा । भविष्यमे बह्रैना जनसंख्या ओ खाद्य मागहे पूरा करना धान उत्पादन ओ उत्पादकत्व बह्रैना आवश्यक बा ।

नेपालके धान तथा चामलके आयात निर्यात अवस्था हेरलेसे यी आयातमुखी बा । मुख्यतया बासमती, बासनादार तथा लोंग ग्रेण चामल जैसिन विशेष मेरिक चामल आयात करजाइठ । आयात हुइना मुख्य ठाउँ हेरलेसे भारत डेखाइठ । बर्सेनि ५० अर्बसमके धान/चामल आयात हुइल अवस्था बा । खुला सीमाके कारण भारतसँग धान ओ चामलके अनधिकृत व्यापार हुइठ, यिहिनसे सही तथ्यांक संकलनमे समस्या सिर्जना करले बा । संघ, प्रदेश ओ स्थानीय तहबिच समन्वयके अभाव बा । कृषि संघीय सरकारके विषय रलेसे फेन स्थानीय तहसे यकर कार्यान्वयन करे परठ मने तीन तहबिच समन्वयके अभावमे कार्यक्रम प्रभावकारी हुइ सेकल नैहो । अनुसन्धानहे बलगर बनैना आवश्यक बा । नेपालमे कृषि अनुसन्धानमे बजेट ओ अनुसन्धानकर्ताके संख्या फेन कम बा ।

यान्त्रिकीकरणके समस्या बा । नेपालमे कृषि यान्त्रिकीकरणके दर कम बा । आधुनिक कृषि यन्त्रके अभाव बा । तराई क्षेत्रमे यान्त्रिकीकरणके भारी सम्भावना बा मने यकर उपयोग हुइ सेकल नैहो । कृषि यन्त्रके मूल्य महँगा बा ओ किसानके आर्थिक अवस्था कमजोर बा । जलवायु परिवर्तनके प्रभावसे धान उत्पादनमे नकारात्मक असर परल बा । अनियमित वर्षा, बह्रल तापक्रम, बाढ ओ खडेरीसे धान उत्पादनमे हानि पुगल बा ।

> आत्मनिर्भरताके सबसे भारी सम्भावना चैते धानके प्रवर्धन हो । आगामी आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के बजेटमे यकर प्रवर्धनके लाग मुख्यतः तराई ओ भित्री मधेशके २२ जिल्लामे चैते धान प्रवर्धन कार्यक्रम सञ्चालन करना लक्ष्य लेहल बा, यिहिनसे थप १२ लाख मेट्रिक टन धान उत्पादन करना लक्ष्य लेहल बा । यकर लाग उन्नत बिउ, सिँचाइ सुविधा, मर्मत योग्य यन्त्र, बिउ ओ मल समयमे उपलब्ध करैना आवश्यक बा । चैते धान खेतीके अपन समस्या बा । यिहिनसे यकर विस्तारमे बाधा पुगैले बा । पहिल समस्या बजारके हो । चैते धान जुन जुलाईमे काटजाइठ, जोन बेला बजारमे पुरान चामल उपलब्ध रहठ । यिहिनसे चैते धानके उचित मूल्य दिलैना समस्या रहठ । दोसर समस्या सुखैना हो । चैते धान कट्ना समय वर्षाके मौसमसँग मिलठ, यिहिनसे धान सुखैना समस्या रहठ । तेसर समस्या भण्डारणके हो । उचित भण्डारण सुविधाके अभावमे चैते धान किरा ओ मुससे क्षति हुइठ । चैते धानके बिउ उत्पादन ओ वितरणमे समस्या बा । किसानहे उचित बिउ समयमे पैना समस्या रहठ । सिँचाइ सुविधाके अभावमे चैते धान उत्पादन सीमित रहठ । मेकानाइजेसनके कमीसे श्रमिकके समस्या रहठ । चैते धानके लाग उपयुक्त प्रविधि ओ प्राविधिक सहायताके अभाव बा । यी समस्या समाधान कैके चैते धान उत्पादन बह्राइ सेक्जाइ ।

आत्मनिर्भरताके लाग

धान उत्पादनमे आत्मनिर्भरता हासिल करना नीति, प्रविधि, लगानी ओ किसानमुखी कार्यक्रमबिच समन्वय अपरिहार्य बा । कृषि विकास रणनीति, आवधिक योजना, वार्षिक बजेट कार्यक्रम तथा स्थानीय तहके नीति ओ योजना सबजे एक दिशामे काम करेपरना आवश्यकता बा । संघीय शासन प्रणालीमे संघ, प्रदेश ओ स्थानीय सरकारबिच स्पष्ट कार्यविभाजन ओ स्रोत बाँडफाँट कैके समन्वयमे आधारित योजना लागु करना आवश्यक बा । सरकारसे धान उत्पादन वृद्धिके लाग टमान नीति ओ कार्यक्रम नानल बा । प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना अन्तर्गत धान सुपर जोनके विकास करल बा । कृषि विकास रणनीतिमे धान उत्पादन वृद्धिहे प्राथमिकता डेहल बा । मलमे अनुदान, बिउमे अनुदान ओ सिँचाइमे अनुदान डेहल बा । नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् अन्तर्गत राष्ट्रिय धान बाली अनुसन्धान कार्यक्रमलगायतके संस्थागत व्यवस्था करल बा । यी नीतिके प्रभावकारी कार्यान्वयन हुइ सेकल नैहो । केन्द्रीकृत योजना निर्माण ओ स्थानीय तहमे कार्यान्वयनबिच तालमेल नैहो । नीति कार्यान्वयनमे निरन्तरताके अभाव बा ।

विचार
मुक्तिनाथ झा

धान खेतीहे व्यावसायिक बनैना यान्त्रिकीकरण अनिवार्य बा । तराई क्षेत्रमे ट्याक्टर, रोपाइँ करना राइस ट्रान्सप्लान्टर, थ्रेसर, कम्बाइन हार्भेस्टर, ड्रायर जैसिन यन्त्र सहज उपलब्ध कराइपरना बा । सरकार यन्त्रमे अनुदान डेना नीति नन्लेसे फेन यकर प्रभावकारी कार्यान्वयनके लाग अभिन वास्तुनिस्ट हुइपरना डेखाइठ । यी कारण सहकारीमार्फत साझा प्रयोग केन्द्र स्थापना कैके श्रमिक अभाव, लागत वृद्धिहे नियन्त्रण करे सेक्जाइ । अनुसन्धान ओ प्रविधिमे लगानी वृद्धि करना औरे महत्वपूर्ण पक्ष हो । राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान परिषद् हालसम कैयौँ उन्नत जातके धान विकास करल बा, जोन जलवायु प्रतिरोधी बटैं । जलवायु स्मार्ट प्रविधि जस्टे प्रणालीगत धान गहन खेती, प्रत्यक्ष बिउ छिट्ना प्रविधि, लेजर लेबलिङ ओ समुचित सिँचाइ प्रणालीसे ३०/५० प्रतिशतसम उत्पादकत्व वृद्धि करे सेक्जाइठ ।

सिँचाइ ओ मलके सुलभता धान उत्पादनके मेरुदण्ड हो । हाल फेन धान खेतीके भारी हिस्सा वर्षामे आधारित बा, यिहिनसे उत्पादनमे अस्थिरता नानठ । भूमिगत जलके सदुपयोग, लिफ्ट सिँचाइ, ट्युबेल ओ आधुनिक सिँचाइ प्रणाली जस्टे उपाय अपनैना आवश्यक बा । मलके समयमे आपूर्ति ओ जैविक मलके प्रवर्धनसे माटिक स्वास्थ्य ओ उत्पादन स्थायित्वमे योगदान पुगाइठ । धान बालीके गुणस्तर वृद्धि तथा निर्यात सम्भावना बह्रैना बिउ प्रतिस्थापन दर बह्रैना आवश्यक बा । हाल नेपालमे धानके उन्नत बिउ प्रतिस्थापन दर २८.५३ प्रतिशत (आर्थिक सर्वेक्षण २०८०/८१) बा, जोन कम हो । यिहिनहे बह्राके उत्पादन बह्रैना आवश्यक बा । यकर लाग कृषि अनुसन्धान, प्रसार ओ शिक्षाहे सबलीकरण करनाके विकल्प नैहो ।

प्रोत्साहनके रूपमे सरकारसे प्रत्यक्ष उत्पादन अनुदान, बिउ अनुदान, यन्त्र अनुदानलगायतके योजना नाने परठ । अइसिन कहेबेर अनुदानके व्यवस्था नैरहल फेन नैहो मने कार्यान्वयन पक्ष प्रश्नमुक्त हुइ सेकल नैहो । न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषणा किल नैहोके, यकर कार्यान्वयन सुनिश्चित करना सरकारी खरिद केन्द्रके विस्तार तथा सहकारी संस्था, खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनी लिमिटेडमार्फत धान खरिद करेपरना बा ।

आत्मनिर्भरताके सबसे भारी सम्भावना चैते धानके प्रवर्धन हो । आगामी आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के बजेटमे यकर प्रवर्धनके*(बाँकी ३ पेजमे)*

एक महिने लेहंगा सिल्ना तालिम सम्पन्न

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १५ असार । कैलाली जिल्लाके कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ५ मे एक महिने लेंहगा सिल्ना तालिम सम्पन्न हुइल बा ।

कैलारी गाउँपालिकाके समन्वयमे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार सामाजिक विकास मन्त्रालय शिक्षा निर्देशनालय सामाजिक विकास कार्यालय कैलालीके आयोजनामे ३० दिने आधारभूत तहके लेहेंगा सिल्ना तालिम हुइल हो ।

तालिम समापन कार्यक्रम सुदूरपश्चिम प्रदेशके माननीय घनश्याम चौधरीके प्रमुख अतिथ्यता ओ कैलारी गाउँपालिकाके उपाध्यक्ष भगवती कुमारी चौधरीके विशिष्ट अतिथि रहल रहिट ।

तालिम समापन कार्यक्रममे वडा नम्बर ५ के वडाध्यक्ष विष्णु प्रसाद चौधरी, समाजिक विकास कार्यालयके प्रमुख कुलराज सोती, सामाजिक विकास कार्यालय कैलालीके महिला विकास अधिकृत प्रतिभा श्रेष्ठ, कैलारी गाउँपालिका महिला तथा बालबालिका शाखाके प्रमुख बालकुमारी चौधरीलगायतके सहभागिता रहे ।

थारु महिला सीप पुस्तान्तरणके सुरु हुइल एक महिने लेहंङगा सिल्ना तालिममे धनिता चौधरी प्रशिक्षण डेहल रही । तालिममे सक्कु वडाके समेटके २० जाने महिलाहुकनके सहभागिता रहे ।

२२औँ राष्ट्रिय...

स्थानीय सरकार प्रतिबद्ध रहल स्पष्ट परलै ।

ओस्टेक, प्रदेश सभा सदस्य तुलसी देवकोटा "मानो रोपेर मुरी फलाउने" परम्पराहे आत्मसात् करटी आधुनिक कृषि प्रणालीके विकासमे सक्कु पक्ष लागेपर्नामे जोड डेलै । नेपाली कांग्रेस क्षेत्र नं. ४ के सभापति बसन्त रोकायासे दही-चिउरा खाके खेतमे उत्रन नेपाली परम्परासंगे एकताके प्रतीक रहल बटैटी सक्कु सहभागीप्रति आभार प्रकट करलै ।

वडाध्यक्ष हेम प्रकाश मल्ल अपन खेतमे कार्यक्रम आयोजना करे पाके गर्व लागल उल्लेख करटी कार्यक्रम सफल बनैनामे सहकार्य कैना सक्कु जनप्रतिनिधि, नेता तथा सहभागीहुकनहे धन्यवाद ज्ञापन करलै ।

गौरीगंगामे २२औं राष्ट्रिय धान दिवस

गौरीगंगा नगरपालिकासे एक भव्य कार्यक्रमके साथ २२औँ राष्ट्रिय धान दिवस तथा रोपाइँ महोत्सव मनाइल बा । "धानबालीमे सघनताः खाद्य सुरक्षा ओ आत्मनिर्भरता" कना नारासहित उ कार्यक्रम नगरपालिका-४ स्थित राजीपुरमे सम्पन्न हुइल हो ।

कार्यक्रमके आयोजना कृषि शाखासे करल हो कलेसे आर्थिक सहयोग नगरपालिकासे प्राप्त हुइल रहे । कार्यक्रममे नगरप्रमुख देबिदत्त कँडेल, उप-प्रमुख भोजबहादुर बम, शिक्षा शाखा प्रमुख हरिस पन्त, टमान वडा अध्यक्ष, कार्यपालिका सदस्य तथा स्थानीयवासीके उत्साहजनक उपस्थिति रहे ।

उपस्थित सक्कु रोपाइमे सहभागिता जनैटी धान दिवसहे सांस्कृतिक पर्वके रूपमे मनाइल रहिट । कार्यक्रममे बोल्टी नगरप्रमुख कँडेल कृषिहे व्यावसायिक बनैटी प्राविधिकसँग जोरना लक्ष्य रहल बटैलै । उहाँ स्थानीय सरकार कृषिमे आमनागरिकहे आकर्षित कैना तथा उत्प्रेरित कैना प्रतिबद्ध रहल उल्लेख करलै ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.वा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

गौमुखीमे २१७ प्रजातिके चिरैं

प्युठान, १५ असार । प्युठानके गौमुखी गाउँपालिका संकटमे परल चिरैंके सुरक्षित वासस्थलके रूपमे पुष्टि हुइल बा । हिमाली अनुसन्धान केन्द्र प्रस्तावित गौमुखी संरक्षण वन क्षेत्रमे करल अध्ययनमे दुई सय १७ प्रजातिके चिरैं फेला परल बटैं ।

गाउँपालिकाके सहयोगमे करल सात महिनाके अध्ययनमे ४ हजार ५ सय ३८ ठो चिरैं अभिलेख करल हो । वि.सं. २०८१ के असोजसे २०८२ वैशाखसम करल स्थलगत अनुसन्धान समुद्री सतहसे १ हजार १ सय मिटर उचाइके ठुलाबैंसीसे ३ हजार ३ सय मिटर उचाइके नाँगी लेकसमके क्षेत्र समोटल रहे ।

अध्ययन टोली झिमरुक-५ मच्छी (ढाँड) से झिमरुक नदी किनार होके पूजा, झाँक्रीढुंगा, रजवारा, नाँगीलेक, गौमुखी, दुई बहिनी लेक, अर्खा ओ खुङ क्षेत्रसमके वन-जैविक क्षेत्र अध्ययन करल हो ।

२०८१ के असोजमे मंगोलियासे जारयाममे बसाइँ सरना गोमायु चिल, दक्षिणओर जैना कर्याङ-कुरुङ सारस, ओ वैशाखमे नेपालमे प्रजनन करना बसाइँ सरना स्वर्गचरी, कोइली, सुनचरी, मुरलीचरा, कस्तुरा, चाँचरलगायत

गृष्मकालीन आगन्तुक डेखाइल बटैं ।

चराविद् कृष्ण भुसालके अनुसार, असोजमे ३२ प्रजातिके चिरैं मिल्नैं, ओम्ने अधिकांश जारयाममे बसाइसराइ करुइया रहैं । वैशाखमे करल सर्वेक्षणमे ९७ प्रजाति फेला परलैं, ओम्ने प्रायः गृष्मकालीन आगन्तुक रहैं । यी चिरैंन्के गौमुखी क्षेत्रमे गुँड बनैना, प्रजनन करना ओ मनसुनपाछे जैना व्यवहार डेखाइल अध्ययनसे उल्लेख करठ ।

अध्ययनमे अभिलेख हुइल २१७ प्रजातिमध्ये ९९ संरक्षण दृष्टिसे महत्वपूर्ण बटैं । उमध्ये नेपालमे मिल्ना संरक्षित चिर कालिज ओ मुनाल, साथे विश्वमे दुर्लभ मानल सुन, सेतो, डंगर गिद्ध, गोमायु महाचिल ओ हिमाली गिद्ध फेन फेला परल बटैं ।

भुसालके अनुसार अध्ययनमे संकटापन्न सूचीमे रहल १७ प्रजाति, सीमित क्षेत्रमे किल मिल्ठैं ४, विशेष भूगोलमे मिल्ना ६९ ओ साइटिस सूचीमे सूचीकृत ३१ प्रजाति गौमुखीमे मिलल बटैं । अस्टेक, लोपोन्मुख हाडफोर गिद्धके गुँड फेन अध्ययनसे अभिलेख करल बा ।

चिरैंसँगे अध्ययनमे ८ प्रजातिके पुतली, ५ माछा, ४ उभयचर, ८ सरिसृप ओ १८ प्रजातिके स्तनधारी जनावर फेन अभिलेख करल बा । अध्ययन अनुसार उचाइ बह्रके चिरैंके प्रजाति ओ संख्या घट्ठ । मने, १ हजार ८ सयसे दुई हजार ४ सय मिटर उचाइ क्षेत्रमे चिरैंके विविधता सबसे ढेर डेखाइल हो । मानवबस्ती लग्गेक खेतबारी, चौर, खरबारी, पानीका स्रोत ओ वन किनार चिरैंके लाग उपयुक्त क्षेत्र बनल अनुसन्धानसे देखाइल बा ।

गौमुखी गाउँपालिकाके उपाध्यक्ष महावीर राना उ अध्ययनसे जैविक सम्पदा संरक्षण, वैज्ञानिक अनुसन्धान, ग्रामीण पर्यटन ओ स्थानीय जीविकोपार्जनमे टेवा डेना विश्वास व्यक्त करलैं । "दिगो विकासके सम्भावना यी अध्ययनसे और बलगर हुइल बा," उहाँ कलैं ।

वन तथा भूसंरक्षण विभागसे २०१६ सालमे गौमुखीके करिब १८० वर्ग किलोमिटर क्षेत्रहे संरक्षण क्षेत्र घोषणा करना प्रस्ताव करल रहे । मने, हालसम यिहिनसे कानुनी मान्यता पैले नैहो ।

गुल्मीके मदाने, उत्तरमे बागलुङके वन क्षेत्र ओ पश्चिममे प्युठानके कोठिभीर वनसँग जोरल गौमुखी क्षेत्रमे संरक्षणके माग स्थानीय स्तरसे हुइटि बा ।

सुदूरपश्चिम, लुम्बिनी, कर्णालीके १२ जिल्लामे भारी वर्षाके चेतावनी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १५ असार । मनसुन सक्रिय हुइल ओरसे पश्चिम नेपालके जिल्लामे भारीसे ढेर भारी वर्षाके चेतावनी जारी करल बा ।

जल तथा मौसम विज्ञान विभागसे लुम्बिनी, कर्णाली ओ सुदूपश्चिम प्रदेशके १२ जिल्लामे भारीसे ढेर भारी वर्षाके सम्भावना रहल ओरसे असार १६ गतेसम सतर्कता अपनैना कहल बा ।

विभागके अनुसार लुम्बिनीके बाँके, बर्दिया ओ दाङ, कर्णालीके सुर्खेत, दैलेख ओ सल्यान, सुदूरपश्चिमके बैतडी, डडेलधुरा, डोटी, अछाम, कैलाली ओ कञ्चनपुर जिल्लामे भारीसे ढेर भारी वर्षाके सम्भावना बा । अन्य प्रदेशके पहाडी भूभागके एक-दुई स्थानमेफे भारीसे ढेर भारी वर्षाके चेतावनी जारी करल बा ।

विभागसे डेहल सूचनाके आधारमे राष्ट्रिय विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरणसे वर्षाके कारण बाढ, पहिरो ओ डुबानके जोखिम हुइना ओरसे उच्च सतर्कता अपनैना ओ पूर्वतयारी तथा पूर्वकार्य कैना कहल बा ।

विभागके अनुसार गैल २४ घण्टामे सबसे ढेर प्युठानके स्याउलीबाङमे पानी परल बा । स्याउलीबाङमे २४ घण्टामे १२०.२ मिलिमिटर वर्षा मापन हुइल बा ।

ओस्टेक करके सिन्धुपाल्चोकके गोब्रे स्टेसने १०२.६ ओ कञ्चनपुरके हनुमाननगरमे १०२.४ मिलिमिटर वर्षा मापन हुइल बा । वर्षा, बाढ ओ डुबानके जोखिम हुइल ओरसे लडिया ओ कुलुवा लग्गेक क्षेत्रमे नैजैना कहल बा । साथे सडक ओ हवाई यातायात समेत प्रभावित हुइना सम्भावना रहल ओरसे मौसमके अध्यावधिक जानकारी लेके ओ सडकके अवस्था बुझ्के केल्ह यात्रा कैना कहल बा ।

जलयात्रामार्फत पर्यटन प्रवर्धन कैटी

डोटी, १५ असार । कर्णाली ओ सेती लडियामे डोटीके बोगटान फुड्सिल गाउँपालिकासे जलयात्रा 'ऱ्याफ्टिङ' मार्फत पर्यटन प्रवर्धन कैना योजना बनैले बा । गाउँपालिकाके क्षेत्रभिट्टर सेती ओ कर्णाली लडियाके करिब ६५ किलोमिटर भूभाग परठ् ।

बोगटान फुड्सिल गाउँपालिका अध्यक्ष कमलबहादुर गड्सिलाके अनुसार आपन गाउँपालिका क्षेत्रमे पर्ना सेती ओ कर्णाली लडियाके भूभागहे साहसिक जलयात्रा करक लाग चाहना स्वदेशी विदेशी पर्यटकलक्षित कैके उ क्षेत्र आसपासके स्थानीय नागरिकके सहभागितामे जलयात्रासम्बन्धी तालिम, सामग्री सहयोग प्रचारप्रसारलगायतके कार्यमार्फत पर्यटन प्रवर्धन कैना योजना बनैले बा । अध्यक्ष गड्सिला कहलै, "हम्रे तीनचो सेती ओ कर्णाली लडियामे गाउँपालिका पदाधिकारी, कर्मचारीसहित स्थानीय सहभागी हुइल टोलीसे सफल रूपमे जलयात्रा करसेकल बटी ।"

जलयात्रासँग सम्बद्ध व्यवसायीमार्फत स्थानीय युवालक्षित तालिम प्रदानलगायतके तयारी हुइटी रहल बा । सेती कर्णालीमे लगातार तीन/चार दिनसम 'ऱ्याफ्टिङ' करे सेकजाइठ् । स्थानीय उत्पादन ओ संस्कृतिहे जलयात्रा करे अउइया पर्यटकसँग जोडके लैजैना योजना गाउँपालिकाके रहल बा । बोगटान फुड्सिल गाउँपालिका-३, कानाचौरके स्थानीय रामबहादुर बुढा कहलै, "यी क्षेत्रमे पर्यटन प्रवर्धनके काम करलमे स्थानीयके आर्थिक उपार्जनमे थप सहयोग पुगे सेकी ।"

धनगढीक सामुदायिक...

यी हुइट नतिजा सुधार कैना विद्यालय धनगढीके २६ सामुदायिक विद्यालय मध्ये ११ विद्यालयके ५० से सतप्रतिशतसम नतिजा आइल बा ।

धनगढी-१४ फूलबारीके सर्वोदय माध्यमिक विद्यालयके सक्कु विद्यार्थी पास हुइल बटै । कलेसे सबसे ढेर विद्यार्थी परीक्षामे सहभागी कराइल धनगढी-५ हसनपुरके पञ्चोदय माध्यमिक विद्यालयबाट ९३ दशमलव ५ प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइल बटै । यी विद्यालयसे १८७ जाने परीक्षा डेहलमे १७४ जाने उत्तीर्ण हुइल बटै ।

टिसरा मजा नतिजा ल्यन्ना धनगढी-३ के त्रिभुवन माध्यमिक विद्यालयके ७६ जाने मन्से ६० जाने पास हुइल बटै । जौन ७८ दशमलव ९५ प्रतिशत हो ।

धनगढी-१४ के पञ्चोदय माध्यमिक विद्यालयके ७५ प्रतिशत नतिजा आइल बा । कलेसे धनगढी-११ के ठेकराज माध्यमिक विद्यालयके ७३ दशमलव ३३ प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइल बटै । ओस्टेक, धनगढी-१८ के चन्चोदय माध्यमिक विद्यालयके ७१ दशमलव ४३ प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइल बटै ।

ओस्टेक करके, राष्ट्रिय माध्यमिक विद्यालय धनगढी-१५ उर्मीके ६६ दशमलव ६७ प्रतिशत नतिजा आइल बा । कलेसे बेहडाबाबा माध्यमिक विद्यालयके ५८ दशमलव ३३ प्रतिशत, सरस्वती माध्यमिक विद्यालय मनेहराके ५५ दशमलव ५६ प्रतिशत, जनजागृती मावि फूलबारीके ५२ दशमलव ६३ प्रतिशत ओ सिद्धनाथ मावि जुगेडा ओ भवानी मावि गौरीपुरके समान ५०/५० प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइल शिक्षा युवा तथा खेलकुद महाशाखासे जनैले बा ।

शून्य नतिजा ल्यन्ना दुई विद्यालय

धनगढीके दुई ठो सामुदायिक विद्यालयके यी बार एसइईमे शून्य नतिजा आइल बा । धनगढी-७ के शिव माध्यमिक विद्यालय ओ धनगढी-१० के जनकल्याण माविके नतिजा शून्य आइल हो । शिव माविके ६ जना तथा जनकल्याण माविके ३ जाने परीक्षा डेहलमे कौनोफे विद्यार्थी उत्तीर्ण नैहुइल उपमहानगरपालिकाके शिक्षा युवा तथा खेलकुद महाशाखा जनैले बा ।

यी हुइट औसत नतिजा नानल विद्यालय

२०८१ क एसइईमे धनगढी १ के त्रिनगर माध्यमिक विद्यालयके १०८ जाने मध्ये ३९ जाने विद्यार्थी पास हुइल बटै ।

ओस्टेक, धनगढी-२ के नवदुर्गा माविका २३ दशमलव ८१ प्रतिशत, वडा नम्बर ४ के राष्ट्रिय तुलसीराम माविसे ४१ दशमलव ३ प्रतिशत, वडा नम्बर ६ के वासुदेवी माविसे ३६ दशमलव ३६ प्रतिशत तथा धनगढी-८ के धनगढी नमुना प्राविधिक विद्यालयसे २९ दशमलव ३१ प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइल बटै ।

ओस्टेक करके, धनगढी-१२ के शारदा माविके ३८ दशमलव ८१ प्रतिशत, धनगढी-१३ कैलाली गाउँके जनता राष्ट्रिय माविके ४७ दशमलव ३६ प्रतिशत, धनगढी-१६ के शिव माविके ४२ दशमलव ९६ प्रतिशत, धनगढी-१९ के फूलबारी माविके ४३ दशमलव ३३ प्रतिशत तथा धनगढी-१७ के भानु माविके १० प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइल शिक्षा युवा तथा खेलकुद महाशाखा जनैले बा ।

आत्मनिर्भरताके...

लाग मुख्यतः तराई ओ भित्री मधेशके २२ जिल्लामे चैते धान प्रवर्धन कार्यक्रम सञ्चालन करना लक्ष्य लेहल बा, यिहिनसे थप १२ लाख मेट्रिक टन धान उत्पादन करना लक्ष्य लेहल बा । यकर लाग उन्नत बिउ, सिँचाइ सुविधा, मर्मत योग्य यन्त्र, बिउ ओ मल समयमे उपलब्ध करैना आवश्यक बा । चैते धान खेतीके अपन समस्या बा । यिहिनसे यकर विस्तारमे बाधा पुगैले बा । पहिल समस्या बजारके हो । चैते धान जुन जुलाईमे काटजाइठ, जोन बेला बजारमे पुरान चामल उपलब्ध रहठ । यिहिनसे चैते धानके उचित मूल्य दिलैना समस्या रहठ । दोसर समस्या सुखैना हो । चैते धान कट्ना समय वर्षाके मौसमसँग मिलठ, यिहिनसे धान सुखैना समस्या रहठ । तेसर समस्या भण्डारणके हो । उचित भण्डारण सुविधाके अभावमे चैते धान किरा ओ मुससे क्षति हुइठ । चैते धानके बिउ उत्पादन ओ वितरणमे समस्या बा । किसानहे उचित बिउ समयमे पैना समस्या रहठ । सिँचाइ सुविधाके अभावमे चैते धान उत्पादन सीमित रहठ । मेकानाइजेसनके कमीसे श्रमिकके समस्या रहठ । चैते धानके लाग उपयुक्त प्रविधि ओ प्राविधिक सहायताके अभाव बा । यी समस्या समाधान कैके चैते धान उत्पादन बह्राइ सेक्जाइ ।

तराई क्षेत्रमे कृषि यान्त्रिकीकरणके भारी सम्भावना बा । समतल भूमि, भारी खेत ओ आधुनिक सिँचाइ सुविधाके कारण तराईमे यान्त्रिकीकरण सहजिले अपनाइ सेक्जाइ । धान उत्पादनमे आत्मनिर्भरता प्राप्त करेक लाग किसानप्रति विश्वास, प्रेरणा ओ सुविधा पुगैना अत्यावश्यक बा । कृषक पाठशाला सञ्चालन, युवा कृषक प्रोत्साहन कार्यक्रम, किसान पेन्सन योजना, बिमा योजना ओ कृषि स्टार्टअप स्किम जस्टे कार्यक्रममार्फत कृषिमे आशा ओ सम्भावना देखाइ परठ । धान नेपालके खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण रोजगारी, जलवायु सन्तुलन ओ सांस्कृतिक पहिचानसँग गासल बाली हो । यम्ने आत्मनिर्भरता हासिल करना केवल कृषि नीति नैहोके, राष्ट्रिय अस्तित्वसँग जोरल विषय हो । राष्ट्रिय सुरक्षा चुनौतीके सबसे महत्वपूर्ण पक्ष खाद्य सुरक्षा हो, जेकर मुख्य मेरुदण्ड कलेक धानमे आत्मनिर्भरता हो । प्रत्येक वर्ष नारा फेन फेन कार्यक्रम करनासे फेन, एक सीमित समयके लाग एक साझा लक्ष्य लेके आगे बह्रेपरना आवश्यकता बा ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

सरकारी कामकाजके भाषा निर्धारण सम्बन्धी अन्तरक्रिया

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १५ असार । कैलालीके जोशीपुरमे सुदूरपश्चिम प्रदेशमे सरकारी कामकाजके भाषा निर्धारण सम्बन्धी अन्तरक्रिया तथा सुझाव संकलन गोष्ठी सम्पन्न हुइल बा ।

शनिच्चरके सुदूरपश्चिम प्रज्ञा प्रतिष्ठानके आयोजनामे गोष्ठी सम्पन्न हुइल हो । गोष्ठीमे थारु ओ डोट्याली भाषाके विषयमे दुईठो कार्यपत्र प्रस्तुत करल रहे । डोट्याली भाषाके विषयमे मार्क्सवादी अध्ययन प्रतिष्ठानके केन्द्रीय अध्यक्ष तथा प्रगतिशील लेखक संघका प्रदेश सल्लाहकार केशवनाथ योगी कार्यपत्र प्रूस्तुत करल रहिट । कार्यपत्र प्रस्तुत कैटी योगी नेपाली भाषा बाहेक सुदूरपश्चिम प्रदेशभिट्टर बोलजैना टमान भाषा भाषिकामे थारु ओ डोट्याली भाषा नै मुख्य भाषा रहल बटैलै ।

नेकपा (माओवादी केन्द्र)के सुदूरपश्चिम प्रदेश समितिके सह–सहसचिव समेत रहल योगी कार्यपत्रमे केवल डोट्याली भाषाहे साझा मानक भाषा साहित्यके रुपमे विकास करे सेकजैना आधारके संक्षिप्त विश्लेषण ओ सुझाव पेश कैनाके साथे भाषाके उत्पत्ति ओ विकासके सन्र्दभमे फेन विषयवस्तु समावेश करल रहिट ।

योगी कार्यपत्रमे भाषाके ऐतिहासिक विकासक्रम, विश्वमे भाषाके वर्तमान अवस्था, साहित्यकारके दृष्टिकोणमे भाषा, खसभाषा (डोट्याली) भाषाके ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, छिमेकी राज्यसंग डोट्याली भाषाके ऐतिहासिक सम्बन्धलगायत विषयमे प्रकाश पारल रहिट ।

कार्यक्रममे बोल्टी नेकपा (माओवादी केन्द्र)के केन्द्रीय सदस्य तथा सुदूरपश्चिम प्रदेशके संस्थापक मुख्यमन्त्री त्रिलोचन भट्ट भाषा जटिल विषय रहल बटैटी यकर निरन्तरताके लाग व्यापक छलफल करे पर्ना बटैलै ।

कार्यक्रममे संविधानसभा सदस्य हरि ज्ञवाली, सुदूरपश्चिम प्रदेशके पूर्व राज्यमन्त्री टेकबहादुर रैकालगायतके उपस्थिति रहल रहे । कार्यक्रम सुदूरपश्चिम प्रज्ञा प्रतिष्ठानके उपकुलपति डा टीएन जोशीके अध्यक्षतामे हुइल रहे ।

मच्छरी मर्ना क्रममे डुबके मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १५ असार । कैलालीके पथरैया लडियामे मच्छरी मर्ना क्रममे १८ वर्षीय युवकके डुबके मृत्यु हुइल बा ।

जोशीपुर गाउँपालिका–४ कटुवापुर निवासी १८ वर्षीय सुमित चौधरी मच्छरी मर्ना क्रममे असार १४ गते साँझ ५ बजे पथरैया लडियामे डुबल रहिट ।

स्थानीयवासीके अनुसार उहाँ घर लग्गे रहल पथरैया लडियामे संघरीयनसंग मच्छरी मारे गैल रहिट । उहे क्रममे अचानक गहिर पानीमे फस्के डुबल चौधरीके कुछ समयपाछे उद्धार करल रहे ।

उद्धारपाछे उहाँहे तत्काल उपचारके लाग लग्गेक स्वास्थ्य संस्थामे लैजैना प्रयास करलेसेफे चिकित्सकसे मृत घोषणा करल रहे । घटनाके सम्बन्धमे थप अनुसन्धान हुइटी रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली जनैले बा ।

दार्चुलाके किसानहे रोपाइँके चटारो

दार्चुला, १५ असार । हिमाली जिल्ला दार्चुलाके धान रोपाइँ हुइना भु–भागके किसानहे यीबेला रोपाइँ करना चटारो चलल बा ।

यहाँक किसान जेठके अन्तिम सातासे रोपाइँ करना सुरु करल कृषि ज्ञान केन्द्र दार्चुलाके कार्यालय प्रमुख सिद्धराज उपाध्याय जानकारी डेलैं ।

जिल्लाके चौलानी भेगओरसे किसान यी वर्षके रोपाइँ सुरु करल उहाँ बटैलैं । जिल्लाके कुल खेतीयोग्य क्षेत्रफल २९ हजार ५४४ हेक्टर क्षेत्रफल जमिनमध्ये ४ हजार ४२२ हेक्टर क्षेत्रफलमे धान रोपाइँ हुइना करल उहाँ जानकारी डेलैं ।

धान रोपाइँ हुइना क्षेत्रफलमध्ये असारके ८ गतेसम ७०० हेक्टर क्षेत्रफलमे रोपाइँ सम्पन्न होके १५ दशमलव ८३ प्रतिशत रोपाइँ हुइल उहाँ बटैलैं । जिल्लाके उच्च हिमाली भेग बाहेकक सब ठाउँके किसान धान रोपाइँ करना करल बटैं ।

दार्चुलामे सुख्खा–३ ओ लोकल जातके धान उत्पादन हुइना कार्यालय प्रमुख उपाध्याय बटैलैं । यहाँक रैथाने धानबालीहे लोकल जात कहिके कना करल उहाँ बटैलैं ।

जिल्लाके ३२ दशमलव १२ प्रतिशत अर्थात ९ हजार ४९२ हेक्टर क्षेत्रफल जमिन सिँचाइके पहुँचमे रहल बताइल बा । खेतीयोग्य जमिन २९ हजार ५४४ हेक्टर क्षेत्रफलमध्ये २२ हजार ८२५ हेक्टर क्षेत्रफल खेती करल जमिनमे सिँचाइके सुविधा पुगल बा ।

दार्चुलामे वार्षिक १२ हजार ५५८ मेट्रिक टन अर्थात् २ दशमलव ८४ प्रतिशत धान उत्पादन हुइना करल कृषि ज्ञान केन्द्रके तथ्यांक बा । यीवर्षके धान दिवस असार १५ गते महाकाली नगरपालिका–५, किम्तडीमे मनैना कार्यालय प्रमुख उपाध्याय जानकारी डेलैं ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी–५) सम्पर्क नं. ०९१–५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

बाढी र पहिरोबाट जोगिऔं

बाढी र पहिरोबाट हुने जोखिमबाट सतर्क बनौः

- सञ्चार माध्यमबाट मौसमको जानकारी प्राप्त गर्ने गरौं,
- बाढी वा पहिरोको उच्च जोखिम भएको क्षेत्रमा होसियारी अपनाऔं,
- आपतकालीन झोला (औषधि, टर्चलाइट, खानेकुरा र लुगाफाटा) तयार राखौं,
- बालबालिका, वृद्धवृद्धा र अपांगता भएका व्यक्तिहरूलाई विशेष ध्यान दिऔं,
- बाढी पहिरो आएमा सुरक्षित स्थानतर्फ जाऔं,
- बिजुलीका लाइन वा पोलबाट टाढा बसौं,
- बाढीको समयमा खोलानाला पार गर्दा सतर्कता अपनाऔं,
- अफवाह नफैलाऔं, सत्य सूचना मात्र आदान–प्रदान गरौं,
- घाइते वा जोखिममा परेका व्यक्तिको उद्धारमा सहयोग गरौं ।

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय
धनगढी, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू
- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९